खबर संक्षेप

चाकू सहित आरोपी पकड़ाया

शहडोल। धनपुरी थाना क्षेत्रांतर्गत 06 मई को मुखबिर सूचना मिली कि धनपुरी में एक व्यक्ति लोहे का चाकू दिखाकर आमजन को डरा धमका रहा है। सूचना पर धनपुरी पुलिस द्वारा उक्त स्थान पर दबिश देकर आरोपी सागर विश्वकर्मा पिता छोटे लाल विश्वकर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी धनपुरी को पकड़कर तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक अद्द लोहे का चाकू मिला, जिसे जप्त कर उक्त आरोपी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी धनपुरी के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक भूपेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

12 लीटर कच्ची शराब जप्त

शहडोल। जयसिंहनगर थाना क्षेत्रांतर्गत 06 मई को अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर सूचना पर पुलिस ने जयसिंहनगर में दबिश देकर आरोपी हेमराज चर्मकार पिता स्व. लखन चर्मकार उम्र 37 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक-15 जयसिंहनगर के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब इसी प्रकार थाना गोहपारू क्षेत्रांतर्गत मुखबिर सूचना पर पुलिस ने ग्राम सरहिट में दबिश देकर आरोपिया भोंदल विश्वकर्मा उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम सरिहट के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब मौके पर जप्त की गई। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

वाहन चालकों पर हुई कार्यवाही

शहडोल। जिला पुलिस द्वारा 06 मई को बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालाने वाले, बिना सीटबेल्ट लगाये चार पहिया वाहन चलाने वाले चालकों एवं अन्य के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत 89 चालानों में 30,600 रूपये समंस शुल्क वसूल किया गया कार्यवाही जारी है। पुलिस द्वारा संबंधितों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करते हुए नियमों का पालन करने हेतु कड़ाईपूर्वक निर्देशित किया गया।

शहीद हुए महेन्द्र बागरी को दी गई श्रद्धांजलि

शहडोल। जिले के ब्योहारी हादसे में शहीद हुए कर्मवीर महेंद्र बागरी को सोमवार की शाम 7 बजे जयस्तंभ चौक कलेक्टर कार्यालय के सामने श्रद्धांजलि दी गई। कर्मवीर शहीद महेंद्र बागरी पुलिस कर्मी को समाजसेवी सबी खान बंटी और उनकी टीम ने जय स्तंभ कलेक्ट्रेट के सामने दी श्रद्धांजलि दी। शहीद श्री बागरी को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में लोग जयस्तंभ कलेक्ट्रेट के पास पहुंचे। श्रद्धांजलि देने में पुलिस विभाग से अभिषेक दीक्षित, मनीष पांडे, विजय सिंह, राम सिंह, उमेश तिवारी, दिपेंद्र मिश्रा, शहर के युवा, अर्चना सिंह, अनुभव गौतम, सार्थक मिश्रा, सनी खान, सोनू चौबे, अलीम खान, आशीष गोले, दीपक चौधरी, वीरू, सोहेल, हेमु, अंकित विश्वकर्मा, संदीप शुक्ला, नीरज सिंह, सागर चौधरी, निखिल चौधरी, ऋषभ वर्मा, साहिल कुशवाहा, राज गोले, लकी कुशवाहा की सहभागिता रही ।

पढ़ाई एक बेहतरीन कार्य

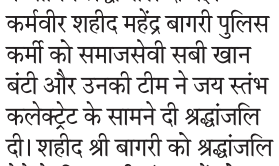

शहडोल। जिला स्तर पर उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्र.छात्राओं सहित स्कूल प्राचार्यों को कलेक्टर तरूण भगनागर ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानति किया। इस अवसर पर कलेक्टर तरूण भटनागर ने कहा कि पढ़ाई एक बेहतरीन कार्य है, विद्यार्थी जीवन में पूरी मेहनत एवं लगन के साथ पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें बेहतर जीवन एवं अच्छी नौकरी देने के साथ.साथ एक अच्छा इसांन भी बनाती है। शिक्षा की मदद से हम अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए बेहतर से बेहतर निर्णय लेकर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में पालकों एवं शिक्षकों का विशेष योगदान होता है ।

जमीन के खातिर कलयुगी पुत्रों का कारनामा

मृत पिता को किया पागल घोषित

बात नहीं बनी तो क्रेता के नाम हस्ताक्षर कर बनाया फर्जी शपथपत्र

बीते वर्ष बुढार थाने में दी थी शिकायत निराकरण अभी तक नहीं

धोखाधड़ी सहित मारपीट और भूमि अतिक्रमण के आधा दर्जन मामले विचार अधीन

2 सालों से शिकायत लेकर थाने और एसपी कार्यालय के चक्कर लगा रहा पीड़ित

पिता द्वारा बेची गई जमीन की कीमत 1 दशक बाद जब कई गुना बढ़ गई तो पिता के निधन के बाद पुत्रों ने की गई रजिस्ट्री निरस्त करने के फेर में पिता को ही पागल घोषित कर दिया, मामला न्यायालय में पहुंचा तो पुत्र अपने चक्रब्यूह में फंस गए।

बुढार।

इसके बाद क्रेता के फर्जी हस्ताक्षर करते हुए अधिवक्ता पुत्र ने झूठे शपथपत्र बनाए, लेकिन इस मामले में भी न्यायालय के आदेश पर हस्ताक्षर की जांच हुई तो हस्ताक्षर फर्जी पाए गए, डेढ़ साल से गेंद पुलिस के पाले में है, लेकिन पुलिस नटवरलाल के खिलाफ कोई मामला दर्ज करने में परहेज कर रही है।

लगभग दो दशक पहले बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत कालिका प्रसाद पांडे पिता उमा प्रसाद पांडे ने अपने निजी स्वामित्व की भूमि जितेंद्र पंजवानी को विक्रय की थी, बाद में कालिका प्रसाद पांडे का निधन हो गया, हालांकि इस दौरान क्रेता पक्ष के नाम पर भूमि का हस्तांतरण हो गया और सीमांकन आदि राजस्व प्रक्रियाएं भी संपन्न हो गई, भूखंड पर क्रेता का कब्जा भी हो गया, लेकिन बीते दो दशकों के दौरान लगभग 1 एकड़ जमीन जो कालिका प्रसाद पांडे ने जितेंद्र पंजवानी के नाम पर विक्रय की थी, उसकी कीमत लगभग 20 से 30 गुना बढ़ गई, जिस कारण उनके पुत्रों के मन में लालच आ गया और उन्होंने फर्जी दस्तावेज तैयार करके न्यायालय में पेश किया और यह दावा किया गया कि उसके पिता कालिका प्रसाद ने जब भूमि का विक्रय किया था, उस दौरान उनके दिमाग की स्थिति ठीक नहीं थी, अपने पिता के निधन के बाद रूपयों के खातिर संजय पांडे तथा कालिका प्रसाद पांडे के अन्य पुत्रों ने मृत पिता को ही पागल होना बताया और स्थानीय न्यायालय में 2 जनवरी 2015 को विक्रय के लगभग 23 सालों के बाद दावा प्रस्तुत किया, हालांकि इस मामले में भी संजय पांडे और उनके भाइयों को राहत नहीं मिली और न्यायालय ने इस पूरे मामले में क्रेता के पक्ष में ही अपना फैसला सुनाया, मामला यहीं नहीं रुका, इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए संजय पांडे ने जितेन्द्र पंजवानी के फर्जी हस्ताक्षर करते हुए उक्त क्रेता के नाम पर एक शपथ पत्र बनवाया और मामले को नया मोड़ दिया, यहां भी उसकी नहीं चली और न्यायालय के आदेश से जब जांच हुई तो हस्ताक्षर फर्जी पाए गए, इस मामले में संजय पांडे जो पेशे से अधिवक्ता भी है उसके खिलाफ कूटरचना और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया जाना था, इस पूरे मामले की शिकायत बुढार थाने में पीड़ति द्वारा 19 जनवरी 2023 को की गई थी लेकिन अभी तक बुढार पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है और पीड़ति न्याय के लिये कथित नटवरलाल के कारनामों के कारण दर-दर भटक रहा है और परेशान है।

यह है पूरा मामला

बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत पाठक मोहल्ले में रहने वाले स्वर्गीय कालिका प्रसाद पांडे पिता उमा प्रसाद पांडे ने अपने निजी स्वामित्व की भूमि ग्राम बुढार आरजी खसरा नंबर 1574 कुल रकबा 0.92 एकड़ को (1 लाख) 100000 में अपने पुत्र संजय पांडे और राजेंद्र पांडे की सहमति से जितेंद्र पंजवानी को विक्रय की थी, 13 दिसंबर 2002 को यह विक्रय पत्र निष्पादित किया गया था, इसके बाद कालिका प्रसाद पांडे का निधन हो गया और उनके पुत्र नारायण प्रसाद पांडे, पुत्री श्रीमती कृष्णा पांडे तथा पत्नी स्वर्गीय ललित पांडे ने संजय पांडे व राजेंद्र पांडे से षड्यंत्र कर उक्त विक्रयपत्र को शून्य घोषित करने के लिए व्यवहार न्यायाधीश न्यायालय बुढ़ार में कालिका प्रसाद को पागल होना बताया इस परिपेक्ष में लगभग 13 सालों के बाद 2 जनवरी 2015 को दबा क्रमांक 6-ए /2015 प्रस्तुत किया गया, इस दावा में उक्त विक्रय पत्र के सहमतिदाता संजय पांडे व राजेंद्र पांडे प्रतिवादी के रूप में पत्रकार रहे, प्रतिपरीक्षा के दौरान वादी नारायण प्रसाद वगैरहा की ओर से उसके अधिवक्ता ने कथित रूप से प्रार्थी द्वारा 1 सितंबर 2014 को नोटरी विजय प्रताप सिंह से तस्दीक कराए गए शपथ पत्र जो संजय पांडे के पक्ष में निष्पादित था, प्रार्थी को दिखाकर उसके निष्पादन एवं उसके बने हस्ताक्षर पूछने पर प्रार्थी ने शपथ पत्र 1 सितंबर 2014 को निष्पादित करने से इनकार कर दिया, न्यायालय द्वारा इस मामले में संज्ञान लिया गया और मामले की जांच कराई गई।

फर्जी निकले हस्ताक्षर

पीड़ति जितेन्द्र पंजवानी ने संदर्भ में बताया कि उसके फर्जी हस्ताक्षर संजय पांडे के द्वारा किए गए थे, इस मामले को न्यायालय ने संज्ञान में लिया और स्वाभाविक हस्तलेख व हस्ताक्षर के साथ-साथ संजय पांडे के स्वाभाविक हस्ताक्षर वह हस्तलेख से राज्य विवादास्पद हस्तलिपि विशेषज्ञ भोपाल से जांच करने के आदेश दिए, शहडोल पुलिस अधीक्षक के माध्यम से न्यायालय द्वारा अपने समकक्ष प्रार्थी व संजय पांडे के हस्ताक्षर व हस्तलेख लिया जाकर विवादित दस्तावेज प्रदर्शन पी-17 को जांच हेतु भोपाल भेजा गया था, राज्य प्रशिक्षण प्रश्नगत प्रलेख मध्य प्रदेश शासन पुलिस मुख्यालय जहांगीराबाद भोपाल द्वारा जांच उपरांत प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जिसमें अभिमत दिया गया, कि विवादित दस्तावेज प्रदर्श पी-17 में बने हस्ताक्षर जितेंद्र पंजवानी के द्वारा न किया जाकर संजय पांडे के द्वारा किए गए हैं, क्योंकि विवादित हस्ताक्षर प्राप्ति के स्वाभाविक हस्तलेख व हस्ताक्षर से मेल न खाकर संजय पांडे के हस्ताक्षर व हस्तलेख से मेल खाते है, यह स्पष्ट हो जाने के बाद भी की जितेंद्र पंजवानी के हस्ताक्षर संजय पांडे के द्वारा धोखाधड़ी करने के नियत से कूटरचना करते हुए किए गए हैं, इस दस्तावेज में कूटरचना के साक्षी राकेश पाठक एवं ज्ञान चंद्र गुप्ता उर्फ ज्ञानी गुप्ता द्वारा नोटरी के सामने फर्जी रूप से प्रार्थी की पहचान की गई है, दस्तावेज की कूटरचना कर उसे फर्जी होना जानते हुए असल रूप में न्यायालय में प्रस्तुत करने व दस्तावेज के कूटरचना में सहयोग देने वाले संजय पांडे, राजेंद्र पांडे, नारायण प्रसाद पांडे, श्रीमती कृष्णा पांडे एवं राकेश पाठक निवासी पुरानी बस्ती बुढार और ज्ञानचंद गुप्ता बनियान टोला बुढार के खिलाफ कानूनी कार्यवाही के लिए पीड़ति ने आवेदन दिया हालांकि अभी तक इस मामले में पुलिस सब कुछ साफ होने के बाद भी जांच में ही उलझी हुई है।

धोखाधड़ी से लेकर आधा दर्जन मामले लंबित

बुढ़ार में रहने वाले संजय पांडे जो पेशे से अधिवक्ता हैं, उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला पूर्व में भी कायम हो चुका है और इस मामले में वह जेल तक जा चुके हैं, इसके साथ ही मारपीट, गाली-गलौज और ऐसे ही अन्य मामले भी उनके ऊपर बुढ़ार थाने में कायम हो चुके हैं, बीते वर्षों में पुलिस अधीक्षक अवधेश गोस्वामी के कार्यकाल के दौरान नगर परिषद बुढार की जमीन पर भवन बनाने की जांच के मामले में भी अतिक्रमण की कार्यवाही की गई थी और सड़क के किनारे शासकीय जमीन पर बनाए गए भूखंड को शासन ने जमीदोज किया था, यह भूमि करोड़ों रुपए की बताई गई है। ऐसे ही दर्जनभर अन्य मामले होने के बाद भी पुलिस इस मामले में आरोपी के खिलाफ मामला पंजीबद्ध करने और पीड़ति को न्याय दिलाने के संदर्भ में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। यह भी स्पष्ट है कि संजय पांडे के द्वारा नगर परिषद बुढार के राजस्व विभाग स्थानीय तहसील कार्यालय के राजस्व अधिकारियों से सांठगांठ कर फिर शासकीय जमीन पर अतिक्रमण कर लिया गया है, जहां पर पूर्व में शासन में अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाई थी।

79 नग नशीले इंजेक्शन जप्त, 1 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल।

पुलिस अधीक्षक को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत पटेल नगर में बड़ी भीट के पास एक व्यक्ति मोटर सायकिल की डिग्गी में नशीले इन्जेक्शन रखकर बेचने की फिराक में घूम रहा हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक द्वारा तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये गए। पुलिस अधीक्षक की विशेष टीम एवं कोतवाली पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर देखा गया तो एक मोटर सायकिल क्रमांक एम.पी. 18 एम.ए. 4240 बड़ी भीट के पास खड़ी दिखी जिसके पास पहुंचकर वाहन के पास खड़े व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम मोहम्मद सैफ उर्फ दुर्रानी पिता मोहम्मद सलीम निवासी दुर्गा मन्दिर के पास पुरानी बस्ती का होना बताया। उसकी एवं मोटर सायकिल की तलाशी लेने पर मोटर सायकिल की डिग्गी में 79 नग नशीले इंजेक्शन होना पाया गया। जिससे वाहन एवं नशीले इंजक्शन के बारे में दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज न होना बताया जिससे आरोपी के विरूद्ध एमडीपीएस एक्ट एवं म.प्र. ड्रग कन्ट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई।

इनकी रही भूमिका

कार्यवाही में पुलिस अधीक्षक की विशेष टीम में शामिल रहे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राघवेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक प्रताप सिंह, रजनीश तिवारी, प्रधान आरक्षक अभिमन्यु वर्मा, बिलाल खांन, पुरूषोत्तम सिंह, दिनेश प्रसाद एवं आरक्षक गिरीश एवं सौरभ मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजमार्गों की आवाजाही में जोखिम बढ़ा रही ट्रकों की कतार

पार्किंग जोन हटाने का आदेश दबा, वाहन चालक कर रहे मनमानी

शहडोल।

संभाग मुख्यालय का नगरीय क्षेत्र और उसकी सीमाओं से गुजरने वाले राजमार्ग एक अर्से से वाहनों के पार्किंग जोन बने हुए हैं। जिसके कारण गंभीर सड़क दुर्घटनाओं की सदैव आशंका बनी रहती है। मुख्यालय के अंदर सोहागपुर भूसा तिराहा, बाणगंगा तिराहा, बायपास रोड रीवा ढाबा, बघेल ढाबा के समीप, उसके बाद बुढ़ार रोड, बुढ़ार के समीप कटकोना के आसपास रात के समय मल्टी एक्सल ट्रकों की लम्बी कतार लगी देखी जाती है। इसी तरह पाली रोड पर घुनघुटी के समीप दर्जनों की संख्या में ट्रक खड़े रहते हैं। यहां तो सड़क के दोनो ओर वाहन खड़े रहते हैं। जिससे सामने के वाहन दिखाई नहीं देते और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वर्षों से जिस तरह यहां वाहन खड़े होते हैं उस अनुरूप देखने पर यह पार्किंग जोन प्रतीत होते हैं। जबकि सड़कों के किनारे अधिक समय तक रुकना, सड़क पर किसी भी तरह की रुकावट डालना नियमविरुद्ध है।

पार्किंग जोन हटाओ

कुछ वर्षों पूर्व बुढ़ार के समीप सड़क पर रात को ट्रकों के जमावड़े के कारण गंभीर दुर्घटना हुई थी, जिसमें दो राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मौत के घाट उतर गए थे। इसी तरह घुनघुटी के समीप भी कार दुर्घटना हुई थी। नगर अंतर्गत रीवा ढाबा के समीप वाहनों के जमावड़े की शिकायत भी हुई थी। इन तमाम कारणों से तत्कालीन कमिश्नर ने आदेश दिए थे कि सड़कों के किनारे अधिक देर तक खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए और पार्किंग जोन हटाया जाए। वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार वाहन खड़े कर घण्टो लापता रहते हैं। इस कारण सड़कों पर जाम की स्थिति भी निर्मित होती है तथा दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।

शुरू होते ही कार्रवाई दब गई

कमिश्नर के आदेश के अनुपालन में शहडोल, उमरिया जिलों का पुलिस बल अपने क्षेत्र में रात्रिकालीन पेट्रोलिंग कर वाहनों को हटवाने की कार्रवाई करता था और कई वाहनो पर चालान भी होता था। इससे कुछ दिनों के लिए वाहनो का जमावड़ा समाप्त हो गया था। लेकिन थोड़े ही दिनों में यह प्रक्रिया शिथिल पड़ गई और फिर सब ज्यों का त्यों हो गया है। लगता है कि प्रशासन को फिर किसी बड़े हादसे का इंतजार है। बताया जाता है कि रात को सड़कों के किनारे खड़े वाहन दूर दराज अन्य प्रांतो से आते हैं और वे खाने पीने की उचित व्यवस्था देखकर रात को गाड़ी सड़क किनारे खड़ी कर आराम करने लगते हैं। होटल अथवा ढाबा मालिक भी उन्हे गाड़ी बढ़ाने के लिए नहीं कहता।

भूसा तिराहे में आफत

रीवा रोड सोहागपुर का भूसा तिराहा भी वाहनों के जमावड़े के कारण परेशानी का कारण बनता जा रहा है। यहां बसों व ट्रकों की कतार के कारण एक ओर सड़क दब जाती है और आने जाने के लिए बहुत कम जगह बचती है। इसी जगह बसों की सवारियों की लालच में कई आटो वाले भी आकर आटो लगा देते हैं। जिससे भीड़ और बढ़ जाती है। इसके कुछ ही दूर पर बाणगंगा तिराहा है जहां वर्षों से अघोषित बस स्टैण्ड चल रहा है। यहां रीवा से आने वाली और रीवा की ओर जाने वाली बसें रोक दी जातीं हैं जहां सवारियां चढ़ती उतरतीं हैं। ज्ञातव्य है कि यह रीवा अमरकंटक राजमार्ग है जहां चौबीसो घंटे भारी वाहन चलते हैं जिसके कारण यहां हमेशा गंभीर दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इन ठिकानों में अभी तक पुलिस व प्रशासन की कड़ी कार्रवाई नहीं हो सकी है। जिससे वाहन चालक मनमानी करते हैं।

किसानों के गेहूं उपार्जन का भुगतान लंबित न करें: कमिश्नर

डीओ पत्र का जवाब न मिलने पर संबंधित अधिकारी को निलंबित करने दिये आदेश

शहडोल।

कमिश्नर बी.एस. जामोद ने मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली तथा विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कमिश्नर ने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में किसानों के गेहूं उपार्जन का भुगतान 9 मई तक सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि भुगतान किसी भी स्थिति में लंबित न करे, किसानों का दर्द समझे। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभाग के उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण करें तथा बैठक में कोई भी जानकारी छुपाए नहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो जानकारी दें। कमिश्नर ने बारदाने, परिवहन आदि की जानकारी ली तथा कहा कि उपार्जन केंद्रो में समुचित बारदाने उपलब्ध रहें।

कमिश्नर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को डीओ पत्र का जवाब न मिलने व डीओ पत्र न होने पर संबंधित अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड व अन्य कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पीएमजीएसवाई के अधिकारी बैठक में अनुपस्थिति होने पर नोटिस देने एवं एनएच के अधिकारी को डीओ लेटर जारी करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि संभाग में दगना कुप्रथा रोकने हेतु संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही करें और उसका परिणाम भी दिखें। उन्होंने कहा कि ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं से संवाद करें और दगना कुप्रथा रोकने के संबंध में जागरूक करें। कमिश्नर बी.एस. जमोद ने पशुपालन अधिकारी को निर्देश दिए कि समय में पशुओं का टीका लगवाए। कमिश्नर ने एक जिला एक उत्पाद के तहत हल्दी के उत्पाद का भी क्रय किया।

बैठक में कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी बिना सूचना के बैठक में अनुपस्थित न रहे यदि आवश्यकता होने पर सूचना दें। उन्होंने कहा कि कमिश्नर कार्यालय में आयोजित होने वाले बैठकों में जानकारी के साथ उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी अपने कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी समन्वय के साथ कार्यों को प्राथमिकता के साथ करें। कमिश्नर ने एमपीआरडीसी, एमपीईबी, सामाजिक न्याय, स्कूल शिक्षा विभाग आदि विभागों के कार्यों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, संयुक्त संचालक महिला बाल विकास श्रीमती मंजूलता सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. लाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थें।

नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

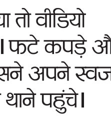

शहडोल। कल्याणपुर अंतर्गत स्थित केन्द्रीय विद्यालय के समीप एक 15 वर्षीय छात्रा से 5 युवकों ने कुकृत्य किया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा सोमवार की शाम को घर से कोचिंग जाने के लिए निकली थी। रास्ते में उसे उसका एक बाइक सवार युवक साथी मिल गया जिसके साथ वह स्कूटी में केन्द्रीय विद्यालय की ओर चली गई। कुछ आगे जाने पर उन्हे सड़क किनारे पांच युवक मिल गए। जिन्होने युवक व छात्रा को रोककर युवक से मारपीट की और फिर एक एक कर छात्रा से कुकृत्य किया। इसके बाद उन्होने छात्रा और उसके साथी का वीडियो भी बनाया तथा धमकी दी कि अगर घटना के बारे में किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर दिया जाएगा। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गए। फटे कपड़े और बदहवाश हालत में छात्रा अपने दोस्त के साथ घर पहुंची। वहां उसने अपने स्वजनों को आप बीती सुनाई। इसके बाद स्वजन छात्रा को लेकर महिला थाने पहुंचे।

न्यायालय तहसीलदार तहसील कोतमा, जिला - अनूपपुर (म. प्र.)

प्रकरण क्रमांक-01/अ-20(3) (024-25) कोतमा दिनांक 03 मई 2024

इश्तहार (सार्वजनिक सूचना)

आवेदक/संस्था जे.एम.एस. माइनिंग, प्रा. लि. कोलकता (पश्चिम बंगाल) द्वारा ग्राम ढोडहा तहसील कोतमा की निम्नांकित शासकीय भूमियों को उरतन कोल माइन परियोजना के लिये स्थायी पट्टा में प्राप्त करने हेतु आन लाइन आवेदन कलेक्टर न्यायालय अनूपपुर में प्रस्तुत किया गया है।

ग्राम/तहसील	खसरा क्रमांक	रकवा (हेक्टे में)	आवेदित रकवा (हेक्टे में)
ढोडहा/कोतमा	32	0.2460	0.2460
	33	0.202	0.202
	821	0.049	0.049
	826	1.485	0.40
	832	1.659	0.40
	833	1.643	0.052
	893	0.040	0.040
	971/1	1.088	0.045
योग	08 किता	6.412	1.434

आवेदक कंपनी को उपरोक्त भूमियों को स्थायी पट्टा दिये जाने पर यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुझाव है तो वह अपनी आपत्ति / सुझाव इस न्यायालय में लिखित आपत्ति/सुझाव इश्तहार जारी होने के 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। म्याद गुजरने के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर किसी तरह का विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार
कोतमा जिला-अनूपपुर

खबर संक्षेप

पुत्र के उत्पात से तंग आकर शिकायत की

शहडोल। रेलवे कालोनी निवासी विद्या मोगरे ने एसपी से शिकायत की है कि उसे पुत्र सिद्धार्थ के उत्पात से निजात दिलाई जाए और उनकी बहन की पुत्री को उसके मां-बाप को सौंपा जाए। शिकायत में लेख किया गया है कि उनका पुत्र सिद्धार्थ मोगरे उसकी बहन की पुत्री प्रीति को अपने घर में रखा है। उसका पुत्र घर में विवाद की स्थिति निर्मित करता है और टीवी फोड़ दिया, गाड़ी बेच दिया तथा घर का सामान फेंक दिया है। उसके उत्पात से वह तंग आ चुकी है। विद्या मोगरे ने एसपी से मांग की है कि प्रीति मोगरे को उसके माता-पिता निवासी बाणसागर के सुपुर्द करा दिया जाए। ताकि घर में कलह की स्थिति शांत हो सके।

कलेक्टर ने पालीटेक्निक में बनाये गये स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

उमरिया। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 19 अप्रैल को मतदान संपन्न होने के पश्चात जिले की दोनो विधानसभा क्षेत्रों 89 बांधवगढ एवं 90 मानपुर की ईव्हीएम मशीन शासकीय पालीटेक्निक उमरिया में बनाये गये स्ट्रांग रूम में रखी गई है । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने पालीटेक्निक स्थित स्ट्रांग रूम का सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण किया तथा सीसी टीव्ही के माध्यम से की जा रही मानीटरिंग को भी देखा।

1112 किसानों से 35134.71 क्विटल गेहूं की खरीदी

उमरिया । जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में बनाये गये 35 गेहूं खरीदी केन्द्रों के माध्यम से अब तक 1112 किसानो से 35134.71 क्विटल गेहूं की खरीदी की गई है । गेहूं खरीदी का कार्य 20 मई तक किया जाएगा । जिले के गेहूं विक्रय के इच्छुक सभी किसानों से अपेक्षा की गई हैं कि समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने हेतु शासन की नियत अवधि 20 मई 2024 तक अपनी उपज गेहू स्लॉट बुकिंग कर नजदीकी गेहूं उपार्जन केन्द्रन पर विक्रय कर शासन की योजना का अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते है ।

वाहन कहीं और प्रभारी कहीं और, सफाई कर्मियों की हो रही उपेक्षा

90 दिन की प्रक्रिया में झाड़ू लगाते बीत गए 20 साल

शहडोल। नगरपालिका में व्याप्त धांधली और अव्यवस्थाएं कई बार उजागर हो चुकीं हैं। लेकिन उन पर अंकुश कभी नहीं लगा। यहां अफसरों और चापलूस कर्मचारियों के तो पौ बारह रहते हैं जबकि निचले कमर्चारी अन्याय और शोषण के शिकार होकर पिसते रहते हैं। यही हाल यहां के सफाई कर्मियों का है जिनकी सुबह सड़कों और बस्तियों में झाड़ू के साथ शुरू होती है। गंदगी में डूबे यह निरीह कर्मचारी हर तरह से प्रताड़ति किए जाते हैं। जबकि शासन द्वारा इनकी सुविधाओं के उपाय प्राथमिकता से किए गए हैं। नगर में लगभग 100 की संख्या में सफाई कर्मचारी हैं।

इनमें अधिकांश ऐसे हैं जो 20-20 वर्षों से सफाई के कार्य में जुटे हैं और आज तक इन्हे स्थाई नहीं किया गया। इनकी भर्ती केवल 3 माह के लिए होती है। इसके अलावा यहां वाहनों की मरम्मत, डीजल, पेट्रोल आदि के नाम पर जमकर धांधली की जाती है। सीएमओ की जानकारी में सब कुछ रहता है लेकिन कभी अव्यवस्थाओं पर अंकुश नहीं लगाया जाता है। हैरानी की बात यह है कि यहां विधिवत निर्वाचित परिषद कार्य करती है इसके बावजूद धांधली चलती है। उसका भी कोई अंकुश दिखाई नहीं पड़ता है।

90 दिन की अनुमति

सफाई कर्मियों का खेल यह है कि परिषद की बैठक में इनकी मात्र 90 दिन की भर्ती के लिए अनुमति ले ली जाती है। फिर इनसे काम कराया जाता है। नगरपालिका में ऐसे कर्मचारियों की कमी नहीं है जो 90-90 दिन की अनुमति पर 20 वर्षों से काम कर रहे हैं। आज तक इनकी स्थिति नहीं बदली और न इनके लिए कोई सोचने वाला है। स्वच्छता प्रभारी केवल अपना काम निकाल कर चला जाता है। वैसे स्वच्छता प्रभारी भी यदा कदा ही नजर आता है वह भी साहबों के बंगले के आसपास। बाकी दिनों में उसका भी कोई सरोकार नहीं रहता है। कुछ वर्षों पूर्व तत्कालीन कलेक्टर ने सफाई कर्मियों के वेतन और अन्य सुविधाओं सहित उन्हे स्थाई करने की प्रक्रिया करने को कहा था। लेकिन सीएमओ ने कुछ किया नहीं था।

न मास्क, न उपकरण

शासन के नियमानुसार सफाई कर्मी चूंकि सदैव गंदगी के संपर्क में रहते हैं इसलिए इन्हे समय समय पर मास्क, ग्लब्स और अन्य सुरक्षा उपकरण प्रदान कि या जाना चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं होता है।

इसमें भी धांधली की जाती है, बताया जाता है कि साल दो साल में कभी एक बार मास्क, ग्लब्स आदि दे दिए जाते हैं जबकि वे कुछ दिनों में खराब हो जाते हैं। इन्हे सदैव बदलते रहने की प्रक्रिया की जानी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं है। सबसे अधिक समस्या उन सफाई कर्मियों के लिए होती है जो गहरे नालों में उतर कर सफाई करते हैं और वहां से मलबा हटाते हैं। उन्हे मास्क, ग्लब्स के साथ गमबूट व लोहे के बेलचा, फावड़ा आदि दिया जाना चाहिए लेकिन यहां कुछ नहीं दिया जाता है।

स्वास्थ्य परीक्षण नहीं होता

सफाई कर्मियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने का प्रावधान है, इनका विधिवत हेल्थ कार्ड बनना चाहिए। लेकिन जब शासन से कुछ वर्षों पूर्व यह आदेश आया था तब 2-3 महीनों तक इसका पालन किया गया। इसके बाद सब बंद कर दिया गया। स्वास्थ्य कर्मियों को अस्वस्थ्य होने पर स्वयं इलाज की व्यवस्था करनी पड़ती है। इस संबंध में नगरपालिका परिषद भी इनका पक्ष नहीं लेती न ही बैठकों में इनके शोषण की बात उठाई जाती है। नगरपालिका के सबसे निचले स्तर के यह कर्मचारी पूरी तरह उपेक्षा के शिकार हैं।

वाहन प्रभारी जेडी आफिस में

नगरपालिका के अंतरगत लगभग 36 वाहन कचरा संग्रह के हैं तथा कुछ अन्य शाखाओं के हैं। इन वाहनों की निगरानी का प्रभार अतीश तोमर नामक कर्मचारी को दिया गया है जिसे जेडी कार्यालय में पदस्थ कर दिया गया है। नपा से दूर स्थित एक अन्य अधिकारी के कार्यालय में जब इस कर्मचारी की नियुक्ति कर दी गई है तो वह वहां से वाहनों की निगरानी कैसे कर सकता है? वाहनों के रखरखाव और डीजल, पेट्रोल आदि के व्यय के नाम पर जमकर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। अगर गहरी जांच पड़ताल की जाए तो केवल वाहनों पर लाखों रुपए महीने का गोलमाल पकड़ में आ सकता है।

चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में की रूबरू चर्चा

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने ओपीडी कक्ष, हेल्प डेस्क सेंटर, दवा वितरण कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, ब्लड डोनेशन कक्ष, डायलिसिस कक्ष, डेंगू परीक्षण कक्ष, प्रसव कक्ष, एनबीएसयू, एसएनसीयू, महिला एवं पुरूष वार्ड, किचेन तथा स्टोर रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय सिविल सर्जन डॉ. के. सी. सोनी, आरएमओ डॉ. संदीप सिंह सहित अस्पताल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मेल वार्ड में बिरसिंहपुर पाली से आये लकवा मरीज विशाली रैदास से चिकित्सको के परामर्श , नाश्ता भोजन मिलने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसी तरह तामान्नारा से आए से मनोज सिंह जिनका पैर फैक्चर हो गया था से भी अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओ की जानकारी ली । पोषण पुर्नवास केंद्र के निरीक्षण के समय पांच बच्चे भर्ती पाए गये । कलेक्टर ने केंद्र में और अधिक कुपोषित बच्चों को भर्ती कराने के निर्देश दिए। पोषण पुर्नवास केन्द्र में भर्ती रतनी दादी की मां सुधा सिंह ने बताया कि मैं भंगहा ग्राम की रहने वाली हूं । मेरी बेटी उल्टी दस्त एवं बुखार से तथा कुपोषण से पीडित थी । 5 मई को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया था। अब बेटी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है । यहां मीनू के अनुसार भोजन, चाय, नाश्ता तथा बच्चो के खेलने की व्यवस्था है ।

कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल तक आने वाले मरीजों को बिना किसी परेशानी के समुचित इलाज मिले इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अस्पताल में साफ -सफाई की व्यवस्था माकूल रहें, इस पर भी ध्यान दिया जाए। आपने कहा कि डयुटी डाक्टर अपने कक्ष में उपलब्ध रहें, ताकि अस्पताल तक इलाज हेतु आने वाले मरीजों को असुविधाओं का सामना नही करना पडे। उन्होने कहा कि जिन मरीजों का इलाज जिला चिकित्सालय मे संभव है उन्हें रेफर नही किया जाए यथा संभव सामान्य डिलेवरी कराई जाए। विशेष आवश्यकता पडने पर सीजर आपरेशन से प्रसव कराया जाए। इस अवसर पर उन्होने जिला चिकित्सालय में होने वाले प्रसव की पंजी का अवलोकन किया तथा विगत दो माह में गर्भवती माताओ के भर्ती होने, सीजर आपरेशन तथा रेफरल प्रकरणों की जानकारी प्रस्तुत करनें के निर्देश सिविल सर्जन को दिए।

पंजीयन विभाग द्वारा की गई राजस्व वसूली की कलेक्टर द्वारा समीक्षा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए परिवहन, खनिज एवं पंजीयन विभाग द्वारा की गई राजस्व वसूली की कलेक्टर द्वारा समीक्षा की गई । उन्होने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य शासन द्वारा राजस्व वसूली के लिए नियत किए गए लक्ष्य से अधिक वसूली संबंधित विभाग सुनिश्चित करे। इसके लिए मासिक, त्रैमासिक, अर्ध्दवार्षिक तथा वार्षिक कार्य योजना एवं लक्ष्य बनाकर कार्य करे। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि अप्रैल माह से लेकर अभी तक 1 करोड 43 लाख रूपये की राजस्व वसूली की गई । इसी तरह खनिज विभाग ने बताया कि अप्रैल माह से अभी तक 2 करोड 27 लाख रूपये की राजस्व वसूली की गई। इस अवधि मे अवैध परिवहन के 12 प्रकरण, उत्खनन के 13 प्रकरण तथा अवैध संग्रहण का 1 प्रकरण बनाया गया । जिला पंजीयक द्वारा बताया गया कि एक अप्रैल से अब तक एक करोड 25 लाख रूपये की राजस्व वसूली की गई । आबकारी विभाग ने बताया कि अप्रैल माह से अभी तक 7 करोड 12 लाख रूपये की वसूली की गई है ।

एसडीएम एवं राजस्व अधिकारी भी स्वास्थ्य केंन्द्रों का नियमित भ्रमण करें - कलेक्टर

उमरिया। समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि आम जन को सहजता से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है । जिले में संचालित जिला अस्पताल , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र , उप स्वास्थ्य केंद्र , आरोग्यम आदि का संचालन नियमित रूप से हो , वहां पदस्थ स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ समय पर उपस्थित हो , तथा बीमार व्यक्तियों को इलाज मिल सके , यह हमारी प्राथमिकता है । जिले के वरिष्ठ अधिकारी तथा एसडीएमे, राजस्व अधिकारी जब भी भ्रमण पर निकले तो स्वास्थ्य सेवाओ का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें एवं प्रतिवेदन भी दें। इसी तरह कलेक्टर ने बताया कि जिले में आधार कार्ड तथा ई केवायसी कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रो मे इसके लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है । मैदानी अमले का दायित्व है कि जिन लोगो के आधार कार्ड नहीं बने है वे इन शिविरों में हितग्राहियों को पहुंचाकर आधार कार्ड अनिवार्य रूप से बनवाएं। बैठक में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया, एसडीएम बांधवगढ रीता डेहरिया, एसडीएम पाली टी आर नाग, एसडीएम मानपुर कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर, अंबिकेश प्रताप सिंह, सीएमएचओ, सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध परिवहन के विरूध्द नौरोजाबाद पुलिस की कार्यवाही

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन द्वारा जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूध्द संयुक्त रूप से भ्रमण कर कार्यवाही करने के संबंध में दिए गए निर्देश के परिपालन मे नौरोजाबाद पुलिस टीम के द्वारा गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टरो को पकड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नौरोजाबाद थाना अंतर्गत क्षेत्र में गस्ती के दौरान नौरोजाबाद पुलिस के द्वारा पिपडारी तिराहे के पास अवैध गिट्टी से भरे ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 54 जेडए 2729 को चालक शिवप्रसाद सिंह पिता धनीराम सिंह के द्वारा परिवहन करते हुए पकड़ा गया है । इसी क्रम मे ग्राम सकरवार मे गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 19 जीए 3570 को चालक मथुरा सिंह पिता लोक सिंह को पकड़ा गया है। दोनों ट्रैक्टरों के ऊपर नौरोजाबाद पुलिस के द्वारा अवैध परिवहन की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है । अवैध परिवहन की धरपकड़ में मुख्यरूप से टीआई अरुणा द्विवेदी, उप निरीक्षक शिवनाथ प्रजापति, उप निरीक्षक रसिया साकेत,अनिल सिंह, दामोदर तिवारी, प्रधान आरक्षक वाहन चालक अंजनी तिवारी की भूमिका सराहनी रही।

अक्सर हो रहे चोटिल के शिकार, कार्यवाही की मांग

ठेकेदार की मनमानी से लोग परेशान

भालूमाड़ा। नगर के कोतमा भालूमाडा मुख्य मार्ग जहां से 24 घंटे लोगों का आना-जाना बना रहता है यहां तक कि इस मार्ग से पैदल साइकिल से लेकर फोर व्हीलर बड़ी-बड़ी गाड़ियां हर घंटे गुजराती रहती है और यह मार्ग आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण मार्ग कहलाता है जहां से लोग कोतमा एवं मनेद्रगढ़ राष्ट्रीय राजमार्गों को जाते हैं वर्तमान समय पर नगर में क्षेत्रीय चिकित्सालय के आगे से लेकर संतोषी दफाई वार्ड क्रमांक 13 के मोड तक नगर पालिका पसान द्वारा ठेकेदार को नाली निर्माण का कार्य दिया गया है। उक्त ठेकेदार के द्वारा लगभग 20 दिन पहले से पूरे रोड पर गिट्टी और रेत को डाला गया है और वह गिट्टी और रेत पूरे सड़क पर फैली हुई है, सड़क पर गिट्टी और रेत के कारण अनेक लोग दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। यहां के कॉलरी श्रमिक जो रात के समय साइकिल एवं दो पहिया वाहन से ड्यूटी आते जाते हैं उन्हें सबसे अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है वही यदि रात के समय ध्यान ना दिया जाए और सामने से कोई बाद वाहन आ जाए तो वह गिट्टी रेत नजर ही नहीं आती और लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। इतना ही नहीं बड़े वाहनों के आवाजाही से पूरा रेत और गिट्टी पूरी सड़क पर फैल जाती है और जब कोई बड़ा वाहन गुजरता है तो उसके टायर से गिट्टी निकालकर बंदूक की गोली की तरह लोगों को लगती है हालांकि अभी तक ठेकेदार के द्वारा नाली का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है लेकिन 20 दिन पूर्व से ही सड़क पर रेत और गिट्टी गिरने से आम जनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग पर डबल स्टोरी से लेकर गोविंदा मोड अघोरी बाबा मंदिर तक भी नाली का निर्माण इसी ठेकेदार के द्वारा कराया गया जहां पर पूरे सड़क पर और किनारे आज भी मलबे का अंबार लगा हुआ है। ठेकेदार अपना निर्माण करके फुर्सत हो जाते हैं लेकिन पूरे सड़क पर कचरा का अंबार लगा रहता है जिससे आमजन को ही समस्या होती है पर आश्चर्य इस बात का है कि इस मार्ग से ही हमारे अपने लोग शासन-प्रशासन के लोग जिम्मेदार जनप्रतिनिधि सभी लोग आते जाते हैं, लेकिन सड़क पर बिछी गिट्टी और रेत किसी को नजर नहीं आती। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी से समस्या के बारे में अवगत कराया गया तो उन्होंने आश्वासन दिया है कि ठेकेदार से बात करके गिट्टी और रेत को रोड से किनारे कराया जाएगा जिससे लोगों को कोई परेशानी ना हो।

शराबी युवकों की टोली शराब का सेवन कर फोड़ रहे शराब की बोतल

बदरा/जमुना। नेशनल हाई रोड बदरा बस स्टैंड के पास दुकान के बने चबूतरे में आवारा किस्म के नौ युवक रोजाना 1 वर्ष से शराब का सेवन करते हैं और दुकान की शटर पर शराब की खाली बोतल फोड़ रहे हैं जिससे कांच के टुकड़े बिखर जाते हैं वही राजेंद्र विश्वकर्मा अपनी बहन के साथ बहुत दयनीय और गरीबी स्थिति में जीवन यापन कर रहे हैं। राजेंद्र विश्वकर्मा बताते हैं कि दुकान बंद करने के बाद रात में नशे का सेवन करके यह गंदा काम करते हैं और आवारा बदमाश लोग कचरा फेंक रहे हैं मानसिक रूप से परेशान कर रहे युवकों के हौसले बुलंद हैं। नाजायज रूप से कमाया धन और नाजायज होने का प्रमाण देते हैं। वार्ड क्रमांक 18 नेशनल हाईवे रोड में रात में घूमने वाले प्रत्येक युवकों को पंचायत द्वारा या पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी कार्यवाही की जाए कि गरीब और असमर्थ लोगों को परेशानी ना हो ऐसे आवारा युवक जो किसी के रसोई रूम और दुकान में शराब की बोतल फेंक रहे हैं यह घोर अपराध की श्रेणी में आता है जो आने वाले समय में वाद विवाद का कारण बन सकता है।

सीईओ जिला पंचायत ने बेली, बरहाई में पीएम जन मन आवासों का किया निरीक्षण

उमरिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अभय सिंह ओहरिया ने ग्राम पंचायत बेली व बरहाई जनपद पंचायत पाली में ग्रामीण विकास विभाग अन्तर्गत पीएम-जनमन आवास योजना अन्तर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण तथा मनरेगा योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यो व जल जीवन मिशन के कार्य का निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत बेली में पीएम-जनमन आवास योजनान्तर्गत प्रगतिरत आवासो का निरीक्षण किया गया जिसमें सर्वसंबंधितों को जल्द से जल्द आवास निर्माण का कार्य पूर्ण कराये जाने हेतु प्रोत्साहित करते हुए निर्देशित किया गया। ग्राम बेली के नलजल योजना के निरीक्षण में विद्युत सप्लाई के कारण नलजल योजना बंद पाई गई जिस पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी जिला उमरिया को तत्काल नलजल योजना में आपेक्षित सुधार कराते हुए सभी कनेक्शनों में पानी सप्लाई चालू किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बरहाई के ग्राम करकटी में जलजीवन मिशन के अन्तर्गत नलजल योजना का निरीक्षण किया गया, नलजल योजना बंद पाई गई। नलजल योजना को जल्द से जल्द चालू किये जाने हेतु कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उमरिया को निर्देशित किया गया। ग्राम पंचायत बरहाई के करकटी ग्राम में ही मनरेगा योजनान्तर्गत प्रगतिरत नवीन तालाब का निरीक्षण किया गया जिसमें उक्त तालाब निर्माण का कार्य 15 जून तक पूर्ण कराये जाने हेतु संबंधित एजेन्सी ग्राम पंचायत का निर्देशित किया गया है। भ्रमण के दौरान कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उमरिया, सहायक यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उमरिया, उप महाप्रबंधक जल निगम उमरिया, जिला पंचायत उमरिया से परियोजना अधिकारी (मनरेगा), जनपद पंचायत पाली से पतरूराम भगत, पंचायत समन्वय अधिकारी, विजय उइके, उपयंत्री, मो. इब्राहिम नोमानी, विकासखण्ड समन्वयक, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण व संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव व ग्राम रोजगार सहायक भी उपस्थित रहे ।

नगरीय निकायों में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित करें : कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को विशेश सफाई अभियान संचालित करने के निर्देश दिए है । आपने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में अभियान चलाकर गाजर घास का उन्मूलन कराएं। सडको के किनारे या डिवाईडर में लगाए गए पौध की नियमित सिंचाई कराई जाए जिससे वे सूखने नहीं पाए । नगरीय क्षेत्रो मे जो फव्वारे लगाए गए है उन्हें चालू कराया जाए। सडको के किनारें अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकान संचालित करने वाले दुकानों के संचालन पर रोक लगाई जाए जिससे नगरीय निकायो का परिवहन व्यावस्थित ढंग से हो सके, इस कार्य में नगरीय निकाय, राजस्व तथा पुलिस संयुक्त रूप से कार्यवाही करें। बैठक में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया, एसडीएम बांधवगढ रीता डेहरिया, एसडीएम पाली टी. आर. नाग, एसडीएम मानपुर कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, हरनीत कौर, अंबिकेश प्रताप सिंह, सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

नगर पालिका परिषद बिजुरी में किया गया श्रमदान

बिजुरी। 6 मई को स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के तहत नगर पालिका परिषद बिजुरी एवं सहयोगी संस्था शुभम समाज सेवी संस्थान के संयुक्त पहल पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्षा श्रीमती शहबीन पनिका के मार्गदर्शन में बिजुरी नगर पालिका वार्ड नं 15 भगता भवनिया देवी मंदिर में नगर के प्रतिनिधि वा वार्ड के सदस्यों एवं संस्था के पदाधिकारियो के द्वारा तालाब में स्वछता एवं सफाई का कार्यक्रम किया गया जिसमे आम जन को एक संदेश देने का प्रयास किया गया की अपने आस पास सभी सर्वजनिक स्थानों की सफाई की जिम्मेदारी हम सभी की है और इसे साफ एवं स्वच्छ रखने के लिए हम सभी को इसी प्रकार आगे आकर कार्य करने की आवश्यकता है। उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका परिषद बिजुरी अध्यक्षा श्रीमती सहबीन पनिका, पार्षद श्रीमती गुंजन साहू, श्रीमती कलावती, कैलाश कोल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गयाबोध मिश्रा, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र महरा, महामंत्री रिंकू शर्मा युवा मोर्चा के मंडल कमेटी एवं वार्ड के गणमान्य सदस्य भाई लोगों उपस्थित थे। जिनके मार्गदर्शन में आज का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ उनमे लखन लाल पनिका कमलेश त्रिपाठी, ईश्वर साहू एवं नगर पालिका परिषद की सहयोगी संस्था के पर शुभम समाजसेवी संस्थान प्रतिनिधि हीरेंद्र तिवारी, आनंद शर्मा उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

10 को स्व चमड़ियां स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन

बुढ़ार। स्व श्री पवन चमड़ियां के स्मृति में 10 मई दोपहर 1 बजे उनकी याद में रक्तदान शिविर का आयोजन होटल विलास विश्राम गृह के पास किया गया है। राजेश चमड़ियां ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरे पूज्य पिता जी की याद में प्रथम पुण्य तिथि के अवसर पर रक्त दान शिविर आयोजित किया जा रहा है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक 16 मई को

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिमा पाल की अध्यक्षता में आगामी 16 मई को राजस्व अधिकारियों की बैठक आहूत की गई है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातरू 11 बजे से आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ अनिवार्यतः उपस्थिति के निर्देश दिये गये है।

कमिश्नर राजस्व कार्यों तथा पेयजल व्यवस्था की करेंगे समीक्षा

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर गोपालचन्द्र डाड की अध्यक्षता में 8 मई को प्रातः 11 बजे से कमिश्नर कार्यालय सभागार में कलेक्टर कांफ्रेंस आयोजित की जा रही है। इस बैठक में कमिश्नर राजस्व कार्यों तथा पेयजल व्यवस्था की जिलेवार समीक्षा करेंगे। बैठक में प्रातः 11 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की संभागीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद प्रातः 11.30 बजे से दोपहर 12.30 मजे तक संवेदनशील विषयों पर कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक राजस्य कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके बाद दोपहर 2.30 बजे से आयोजित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में पेयजल व्यवस्था, समर्थन मूल्य पर गेहू उपार्जन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, बिजली की आपूर्ति, मनरेगा योजना, गौशाला निर्माण, खनिज राजस्य वसूली तथा छात्रवृत्ति वितरण की समीक्षा की जाएगी। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संभागीय अधिकारी बैठक में उपस्थित रहेंगे।।

भू-अर्जन, भू-आवंटन एवं धारणाधिकार से संबंधित बैठक 17 मई को

रीवा । कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में आगामी 17 मई को जिले में लंबित भू-अर्जन, भू-आवंटन एवं धारणाधिकार के प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी। बैठक में समी एसडीएम तथा नजूल अधिकारी को अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

विश्व रेडक्रास दिवस आज

रीवा। रेडक्रास के जनक सर हेनरी उचुनीट जी के जन्म दिवस पर आज 8 जून को विश्व रेडक्रास दिवस मनाया जाता है। रेडक्रास दिवस में समारोह मनाने के लिये इस वर्ष की थीम है मानवता को जीवित रखना।

अवैध कमाई का जरिया बना रामपुर बटुरा ओसीएम

विस्तारीकरण और सुविधाएं जुटाने के नाम पर सिविल विभाग खेल रहा फंड की होली

एसईसीएल सोहागपुर कोयलांचल प्रबंधन द्वारा रामपुर बटुरा खुली खदान में विस्तारीकरण को लेकर प्राइवेट ठेकेदार के माध्यम से कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। नयी खदान खुलने से जाहिर सी बात है कि कार्य के लिए कोई फंड की कमी नहीं होगी और निर्माण कार्य किए जाएंगे।

धनपुरी।

एससीसीएल द्वारा जारी इसी फंड की होली खेलने और आवश्यक सुविधाएं जुटाने के लिए निर्धारित की गई राशि की बंदरबांट का खेल सिविल विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा खेला जा रहा है। अधिकाधिक अवैध कमाई के फेर में गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ तो किया ही जा रहा है सैकड़ों हजारों श्रमवीरों की जिंदगी को भी दांव पर लगाने से गुरेज नहीं किया जा रहा है जो निकट भविष्य में किसी बड़े हादसे को आमंत्रित करता नजर आ रहा है।न सड़क न बिजली रामपुर बटुरा खदान खुले दो वर्ष से अधिक हो गया लेकिन खदान खोलने के बाद अभी तक खदान पहुंच मार्ग पक्की रोड की व्यवस्था नहीं बनाई गई बरसात के दिनों में कच्ची रोड पर चलना दुर्घटना को दावत देना है। खदान में रेस्ट सेंटर कि कमी देखी जा रही है ।, प्रकाश व्यवस्था, खदान में,पानी पीने पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाया है, यहां काम चल रहा है, ईएण्ड, वर्कशॉप सेड, बाउंड्रीवॉल, कार्यालय, कांटाघर आदि काम किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक, इंजीनियर, सिविल विभाग की अनदेखी के चलते चल रहे कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है।गुणवत्ताहीन कार्य बताया जाता है कि ठेकेदार को प्रबंधन द्वारा काम दिया जा रहा है। कार्य में गुणवत्ता की घोर अनदेखी की जा रही है जिसे कोई देखने वाला नहीं है। मन माने तरीके से गुणवत्ता हीन कार्य करने के बावजूद आंख मूंद कर ठेकेदार का बिल पास हो जाता है। जानकार सूत्रों की मानें तो ठेकेदार द्वारा सिविल विभाग के अधिकारियों को अच्छी खासी चढोत्री चढ़ाई जा रही है जिसके कारण ठेकेदार के कार्यों का मूल्यांकन बिना देखे सुने ही कर दिया जा रहा है। इससे जहां एक और अधिकारियों की अवैध कमाई हो रही है वहीं दूसरी ओर ठेकेदार लाखों-करोड़ों में खेलने में सफल हो रहा है।ठेकेदार की खुली पोलहाल ही में रामपुर बटुरा खुली खदान में विद्युत लाईन का कार्य किया, आफिस का निर्माण कराया गया, कंटीले तार फेंसिंग कराया गया था जिसमें ठेकेदार द्वारा पोल गाड़ने मनमानी की गई खदान में विद्युत लाइन विस्तार के लिए जगह जगह विद्युत पोल लगाए गए ठेकेदार के द्वारा विद्युत पोल की मजबूती को ध्यान में न रखते हुए विद्युत पोल खड़ा किऐ गऐ है। विद्युत पोल को जाम करने की बजाय औपचारिकता करते हुए गिट्टी कंक्रीट की जगह मिट्टी से पाट दिया गया जो बारिश होने पर विद्युत पोल में हो गया होल और ठेकेदार की खुल गई पोल गुणवत्ता अनदेखी विद्युत पोल कभी भी गिर सकता है। कमीशन सर्वोपरियह भी आरोपित किया गया है कि खदान पर कांटा घर पास कोयला यार्ड मे सुरक्षा की दृष्टि से कटीले तार की फेंसिंग ठेकेदार के द्वारा कराई गई है जो इतनी कमजोर है कि छूते ही फेंसिंग हिलने लगता है। ठेकेदार के द्वारा फेंसिंग को कंक्रीट से अच्छी तरह से जाम नहीं किया मिट्टी में दबा दिया गया है। प्रबंधन गुणवत्ता की ओर ध्यान नहीं दे रहा है ठेकेदारों नॉन ब्रांड चादर लोहा, रेत सीमेंट, कंक्रीट की गुणवत्ता की अनदेखी के चलते बन रहे भवन सालों साल चलने वाले कुछ ही सालों में प्लास्टर दीवारें गिरने लगती है,चल रहे निर्माण कार्यों पर सवाल उठ रहे हैं आखिर उसकी जांच पड़ताल कौन करेगा। या फिर कमीशन बाजी के चलते बिल पास हो जाएगा।कार्यवाही की दरकार सोहागपुर कोयलांचल में कार्यरत श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों क्षेत्रीय नागरिकों एवं खदान मैं कार्यरत श्रम योगी रूम में सिविल विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में ठेकेदार द्वारा बढ़ती जा रही अनियमितताओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए एरिया प्रबंधन के अधिकारियों से ठेकेदार की मनमानी पर रोक लगाकर समुचित ढंग से कार्य करने के निर्देश जारी किए जाने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी अप्रिय हादसे की स्थिति का सामना ना करना पड़े।

सांध्य कालीन ट्रेन चलाने की मांग उठी, बिलासपुर जाने के लिए सुबह के बाद शाम को ही ट्रेन मिलतीं है

बुढ़ार।

रेल रोको आंदोलन समिति के रोहिणी प्रसाद गर्ग ने रेल अधिकारियों से आग्रह करते हुए मांग की है कि अम्बिकापुर-शहडोल(सांध्य कालीन) मेमू ट्रेन नम्बर 08750 शहडोल से दूसरे दिन तकरीबन 9 बजे सुबह शहडोल-बिलासपुर ट्रेन नम्बर 08739 बनकर छूटती है,इस ट्रेन को अम्बिकापुर ही चलाने में क्या समस्या है? यदि यह पूर्वान्ह में अम्बिकापुर चले तो कोतमा, बिजुरी जाने वाले यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा क्योंकि सुबह अम्बिकापुर मार्ग में जाने के लिए कोई ट्रेन नही है।

दूसरी ओर बिलासपुर-शहडोल मेमू ट्रेन नम्बर 08740 मध्यान्ह में शहडोल आकर 30 मिनिट बाद शहडोल-अम्बिकापुर ट्रेन नम्बर 08749 बनकर अम्बिकापुर चलती है जबकि इसे बिलासपुर तक चलाने में यात्रियों को सुविधा मिलती। श्री गर्ग ने अपनी बात रखते हुए यह भी कहा कि दिन में 11 बजे के बाद रात 12 बजे ही बिलासपुर के लिये ट्रेन मिलती है।जबकि अपरान्ह में तकरीबन 2.30 बजे शहडोल-अम्बिकापुर ट्रेन नम्बर 18756 एक्सप्रेस भी चलती है फिर एक ही समय में दो ट्रेने अम्बिकापुर की ओर क्यो? इस तरह ट्रेन चलाने में कोई तकनीकी समस्या है या कोई दुरभि संधि?इसे जन हित में रेल मंडल अधिकारियों को स्पष्ट करना चाहिए।

अचानक आंधी तूफान आने से 33 केवी विधुत लाइन हुई फॉल्ट

शहडोल रोड़ पर यूकेलिप्टस के भारी पेड़ गिरने से हुई क्षति

देर तक बंद रही सप्लाई, अमला नहीं हुआ सक्रिय, आमजन गर्मी से रहे परेशान

बुढ़ार।

मंगलवार की दोपहर लगभग ढाई बजे अचानक तेज हवा के साथ आंधी तूफान एवं बारिश होने से जहां लोगों को गर्मी से राहत ली वहीं तेज़ हवा से नगर के कई स्थानों पर यूकेलिप्टस के भारी भारी पेड़ सड़क में गिरने से विधुत लाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई, शहडोल रोड़ मारुति नंदन पेट्रोल पंप के समीप पेड़ बीच सड़क में गिरने से काफी समय तक मार्ग अवरूद्ध रहा।

बिजली वितरण व्यवस्था डगमगा गई

मंगलवार को अचानक आंधी तूफान आने से विधुत वितरण व्यवस्था भी डगमगा गई कई घंटों तक नगर में विधुत प्रकाश नहीं रहने आमजन गर्मी से हलकान रहे और व्यापार में प्रभावित रहा दोपहर दो बजे से विधुत वितरण व्यवस्था बंद हुआ और शाम तक विधुत सप्लाई प्रारम्भ नहीं हुई जिससे विधुत विभाग की पोल खुलकर सामने आई है।

लापता नाबालिक किशोरी पुलिस ने हैदराबाद से किया दस्तयाब

रीवा । जिले के शहर के समान थाना क्षेत्र से एक 14 वर्षीय किशोरी विगत कुछ दिनों से लापता हो गई थी। जिसकी गुमशुदगी की शिकायत परिजनों ने धारा 163 के तहत सामान थाने में दर्ज करवाया था। मामले गंभीरता से लेते हुए सामान पुलिस के द्वारा लगातार लड़की का पता तलाश कि जा रही थी मुखबिर की सूचना पर पता चला कि लड़की हैदराबाद में है जहां नाबालिक किशोरी को हैदराबाद में शोहेल खान अपने पास रखा है साइबर व सामान थाने पुलिस की गठित टीम ने हैदराबाद पहुंच कर । एक आरोपी भी गिरफ्तार हुआ है जिसका नाम सोहेल खान बताया जा रहा है नाबालिक ने पुलिस को बताया कि सोशल मीडिया से सोहेल खान से उसका संपर्क हुआ था जहां से वह उसे वीडियो चैट भी किया करता था। और उसका कुछ वीडियो बना लिया था जो उसका वीडियो पर्सनल भेज कर ब्लैकमेल किया करता था। जिसके बाद किशोरी को वह हैदराबाद बुला लिया हैदराबाद में ले जाकर उसे अपने साथ रख लिया था।जहां परिजनों की शिकायत पर समान पुलिस ने साइबर टीम की मदद से लड़की तक पहुंची।

जल निगम के प्रबंधक ने ग्रामीणों से ली नल से जल मिलने की जानकारी

रीवा। जल निगम के प्रबंधक डॉ एनके पचैरी ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा ग्रामवासियों से नल से जल मिलने की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्राम लोहदवार का भ्रमण कर ग्रामीणों से नल-जल योजनाओं के संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डी पचैरी ने कहा कि नल-जल योजनाओं के संचालन से लोगों को पेयजल की आपूर्ति हो रही है। जहाँ इनके संचालन में जो समस्याएं है उनको दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। पंचायतों के सरपंच तथा सचिवों से नल-जल योजनाओं के बेहतर संचालन के संबंध में चर्चा की गई है तथा आश्वस्त किया कि इसका लाम ग्रामीणों को मिलेगा। डो पचैरी नल-जल योजना से लाभांवित कई घरों में भी पहुंचे और उनसे पेयजल के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सहायक अभियंता दीपक मिश्रा तथा सहायकः प्रबंधक राजेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

गेंहू उपार्जन की राजस्व अधिकारी कर रहे हैं सतत निगरानी

रीवा। जिले भर में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में सहकारी समितियों द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहू का उपार्जन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा उपार्जन की निगरानी के लिए जिला स्तरीय अधिकारी तथा राजस्व अधिकारी तैनात किए गए है। राजस्व अधिकारियों द्वारा लगातार खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करके उपार्जन की सतत निगरानी की जा रही है। एसडीएम त्योधर संजय जैन ने गत दिवस खरीदी केन्द्र मनिका, सोहरस्या तथा त्योथर का निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जित गेंहू का तत्काल परिवहन कराने के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार पहड़यि द्वारा मनगवां केन्द्र क्रमांक दो का निरीक्षण किया गया। नायब तहसीलदार रायपुर कर्बुलियान दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने खरीदी केन्द्र रायपुर कर्चुलियान तथा नायब तहसीलदार त्योथर भगवानवास रैदास ने खरीदी केन्द्र सोनीरी का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से उपार्जन के संबंध में जानकारी ली तथा समय पर गेहू की तौल कराने के निर्देश दिए।

नायब तहसीलदार गुढ़ तेजपति सिंह ने खरीदी केन्द्र दुआरी का निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जित गेहू का तत्काल उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराने के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार ने खरीदी केन्द्र में किसानों के लिए छाया पानी की व्यवस्थात्रों की भी जानकारी ली। नायब तहसीलदार भगवानदास ने उखरा खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से भुगतान की स्थिति तथा गेहू की तौल के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने उपार्जित गेहू का तत्काल सुरक्षित भण्डारण कराने के निर्देश दिए। नायब तहसीलदार सिरमौर रमाकांत तिवारी ने बालकृष्ण खरीदी केन्द्र क्योटी तथा अन्य केन्द्रों का निरीक्षण किया। जिले भर में खरीदी केन्द्रों में गेहू का उपार्जन लगातार जारी है। उपार्जन की अंतिम तिथि 20 मई निर्धारित की गई है।

प्रतिबंध के बावजूद बोरिंग करना पड़ा भारी मशीन संचालक एवं भूमि स्वामी पर एफआईआर

कलेक्टर ने आदेश जारी कर जिले को किया था जल अभावग्रस्त घोषित, उलंघन पर की गई कार्यवाही

मऊगंज। कलेक्टर अजय श्रीवास्तव द्वारा जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध के बावजूद बोरिंग करना मशीन मालिक एवं खनन कराने वाले भूमि स्वामी पर उस समय भारी पड़ गया जब मिली शिकायत के आधार पर कलेक्टर मऊगंज के निर्देश पर तहसीलदार नईगढ़ी दीपक तिवारी सहयोगी राजस्व हमले के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध उत्खनन में लगी बोरिंग मशीन को जप्त करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया। राजस्व अधिकारियों एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बोरिंग मशीन जप्त करते हुए संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की।

बताया गया है कि मंगलवार 7 मई की दोपहर बाद कलेक्टर मऊगंज को दूरभाष पर सूचना दी गई कि जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पहरखा गांव में प्रतिबंध के बाद भी बोरिंग की जा रही है। जिस पर तत्काल कार्यवाही की गई। राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंच कर बोरिंग मशीन को जप्त कर लिया। वही बोरिंग मशीन को पुलिस थाना नईगढ़ी में सुरक्षा की दृष्टि से खड़ा कराया गया है। बताया गया है कि जल अभावग्रस्त घोषित किए जाने के आदेश के बावजूद जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र के पहरखा नामक गांव निवासी छोटे लाल यादव पिता बैजनाथ यादव की जमीन पर उनके घर के सामने प्रतिबंध के बाद भी बोरिंग मशीन क्रमांक केए 19 ए ए 3416 के तथाकथित बोरिंग मशीन मालिक हरिहर प्रसाद मिश्र की मशीन से मैनेजर योगेंद्र गौतम पिता उमाशंकर गौतम उम्र 40 वर्ष निवासी तिवरिगमा एवं बोरिंग मशीन एजेंट संतोष पटेल के मौजूदगी में मशीन चालक द्वारा बोरिंग की जा रही थी। खेत में बोर करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है साथ ही खेत में बोर करने वाली दो बोरिंग मशीनों को वाहन सहित जप्त कर लिया है मशीनों की कीमत करीब सवा करोड रुपए आकी गई है।

रीवा में बनने वाले आईटी पार्क के संबंध में बैठक संपन्न

रीवा। रीवा मुख्यालय में कालेज चैराहा में लगभग 40 करोड रूपये की लागत से आईटी पार्क की स्थापना की जायेगी। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में आईटी पार्क निर्माण के लिये नियुक्त कन्सलटेंट एवं एमपीआईडीसी के अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि आईटी पार्क निर्माण के लिये प्रस्तावित भूमि का तहसीलदार हुजूर के साथ निरीक्षण कर मौके पर भूमि उपलब्धता के संबंध में रिपोर्ट दें। इस दौरान कन्सलटेंट द्वारा प्रस्तावित आईटी पार्क निर्माण की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बनाये गये एलिवेशन का प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में एमपीआईडीसी के ईडी यू.के. तिवारी, कार्यपालन यंत्री के के गर्ग सहित अन्य अधिकारी व कन्सलटेंट उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोतमा। कोतमा/ थाना अंतर्गत गोहंड्रा गांव में 38 वर्षीय अंधेड ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 7 मई मंगलवार को थाने में सूचना आई की गोहांड्रा गांव निवासी फूल सिंह पिता बाबूलाल चौधरी उम्र 38 वर्ष ने सुबह 6 से 7 बजे के बीच घर की परछी में लकड़ी की बल्ली मैं साड़ी के फंदे से जुड़कर आत्महत्या कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उसकी पत्नी लगभग 15 दिनों से अपने मायके कोठी में रह रही है मृतक शराब पीने का आदी था। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए पंचनामा तैयार कर पीएम उपरांत शव परिजनों को सौप दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणो की जांच कर रही है ।

बैल ढूंढने गई पुत्री नहीं आई वापस

कोतमा। थाना अंतर्गत चंगेरी गांव निवासी ध्यान सिंह ने मंगलवार को थाने में शिकायत दर्ज करवाई की उसकी 22 वर्षीय पुत्री पूजा सिंह 18 अप्रैल को दोपहर 2 बजे घर से बैल ढूंढने के लिए गई थी लेकिन आज तक वह वापस घर नहीं आई। आसपास एवं रिश्तेदारी में पता तलाश किया लेकिन कहीं पता नहीं चला। शिकायत पर पुलिस ने गुम इंसान का मामला कायम करते हुए विवेचना में लिया।

अतिक्रमण रोकने कलेक्टर के दरबार पहुंची मुंडा सरपंच

जैतहरी। जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत पंचायत मुंडा हृदय स्थल कहे जाने वाले चौराहा शासकीय भूमि खसरा नंबर 568 में तीव्र गति से हो रहे अतिक्रमण कर अवैध निर्माण रोकने के संबंध मे ग्राम पंचायत मुंडा सरपंच सरस्वती सिंह मरावी पंच महेश राठौर, यज्ञ नारायण सिंह मरावी, बेला बाई, गायत्री, मुन्ना लाल भैना, नेहा गुप्ता, पोशन राठौर, जीवन राठौर एवं अन्य ग्रामीण जन कलेक्टर अनूपपुर पहुंचकर बताया कि ग्राम पंचायत मुंडा में शासकीय भूमि खसरा नंबर खसरा नंबर 568 में तीव्रगति से अतिक्रमण व अवैध निर्माण हो रहा है जिसकी शिकायत पूर्व में एसडीएम जैतहरी तहसीलदार को किया गया था फिर भी अतिक्रमण रुकने का नाम नहीं ले रहा है जिससे पंचायत विकास कार्य में बाधा उत्पन्न होती है जिसके कारण पंचायत विकास रुका हुआ है।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन खेत तालाब का किया निरीक्षण

अनूपपुर। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आज जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के दूरस्थ ग्राम लमसराई में हितग्राही भगवानिया बाई के खेत में मनरेगा के तहत निमार्णाधीन खेत तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब निर्माण कार्य की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए कार्य को निर्धारित मापदंडों का पालन करते हुए 31 मई तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों देते हुए कहा कि आगामी खरीफ फसल के दौरान हितग्राही को इसका लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मेंटेनेंस के कारण जिले के 7 फीडरों में विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरूद्ध

अनूपपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के अधीक्षण अभियंता ने बताया कि उप संभाग अनूपपुर एवं उप संभाग राजेन्द्रग्राम के विद्युत लाइनों का अति आवश्यक मानसून पूर्व मेंटेनेंस कार्य किया जाना है, जिसके कारण इन विद्युत लाइनों में विद्युत प्रवाह अवरूद्ध रहेगा। उन्होंने बताया है कि 10 मई 2024 को प्रातः 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक उप संभाग अनूपपुर के 11 के.व्ही. पसला फीडर, 11 के.व्ही. जमुड़ी फीडर, 11 के.व्ही. लपटा फीडर (जैतहरी से लपटा), 11 के.व्ही. लपटा फीडर (वेंकटनगर से लपटा) तथा 11 के.व्ही. मेड़ियारास फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी।

आकाशीय बिजली की चपेट में आकर

चटुवा गांव में दो की मौत, महिला घायल

शादी समारोह में शामिल होने आए थे दोनों मृतक

जिले के पुलिस चौकी सरई अंतर्गत चटुवा गांव में मंगलवार की दोपहर एक शादी समारोह में सम्मिलित रहे दो युवक आकाशीय बिजली की चपेट में आने से स्थल पर मृत हो गए जबकि एक 45 वर्षीय महिला गंभीर रूप से घायल होने पर जिला चिकित्सालय शहडोल रेफर किया गया है।

अनूपपुर।

घटना की जानकारी पर सरई पुलिस एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचकर कार्यवाही में जुटे हुए हैं। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस चौकी सरई अंतर्गत चटुवा गांव में मंगलवार की दोपहर गांव की कुंवर सिंह बैगा के यहां आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने बैगा समाज एवं गांव के अन्य ग्रामीण सम्मिलित हुए थे तभी दोपहर 12:30 बजे तेज आंधी-तूफान के साथ आकाशीय बिजली गिरने से आम के पेड़ के नीचे बैठे 38 वर्षीय रंजीत सिंह पिता कुंवर सिंह परस्ते निवासी चटुवा,19 वर्षीय उमेश बैगा पिता ऐतू बैगा निवासी सिंहपुर, जिला शहडोल की स्थल पर ही मृत्यु हो गई जबकि आकाशीय बिजली के चपेट में आने से 45 वर्षीय महिला विस्मतिया बैगा पति सियाराम बैगा गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की जानकारी पर गंभीर रूप से घायल विस्मतिया बैगा को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय शहडोल रेफर किया गया है तथा घटना की जानकारी पर सरई पुलिस चौकी प्रभारी पीएस बघेल पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों मृतको शव का पंचनामा की कार्रवाई करते हुए खमरौध स्थित अस्पताल के डॉक्टर फूलसाय मरावी से पीएम की कार्रवाई कराई गई। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन भारी सख्या में एकत्रित रहे।

जिला बदर आदेश के उल्लंघन पर की कार्यवाही

नगर में घूमते पाए जाने पर कोतवाली पुलिस आरोपी संग पटेल को दबोचा

अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र सिंह पवार भारतीय पुलिस सेवा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मंसूरी एवं एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा जिला बदर चल रहे आरोपी संग पटेल निवासी पुरानी बस्ती, अनूपपुर के नगर में घूमते पाए जाने की सूचना पर घेराबंदी कर दबोचा जाकर कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जिला अनूपपुर आशीष वशिष्ठ के द्वारा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पवार के प्रतिवेदन पर संग पटेल पिता शेषनारायण पटेल उम्र करीब 23 साल निवासी पुरानी बस्ती, अनूपपुर के विरुद्ध विगत 4 वर्षों में मारपीट, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी एवं एक्सटॉर्शन के 09 अपराधिक प्रकरण थाना कोतवाली में दर्ज होना पाए जाने से 23 अक्टूबर 2023 को मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3.1 धारा 5 की कण्डिका एवं तथा सह पठित धार 7 के अंतर्गत जिला अनूपपुर एवं जिला अनूपपुर की सीमा से लगे हुए मध्य प्रदेश राज्य के जिला शहडोल, उमरिया और डिंडोरी की सीमाओं से 1 वर्ष की काल अवधि के लिए निष्कासित किया गया है। जिला बदर किए गए आदतन अपराधी संग पटेल निवासी पुरानी बस्ती अनूपपुर के द्वारा जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर 06.05.2024 को शाम करीब 8 बजे पुरानी बस्ती अनूपपुर में घूमते पाए जाने की सूचना पर टी.आई.कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में उप निरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे, आरक्षक पूणानंद मिश्रा, गिरीश चौहान मनोज गुर्जर एवं दिनेश पाटील के द्वारा घेराबंदी किया जाकर जिला बदर आरोपी संग पटेल को पकड़ा जाकर मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 14 एवं भारतीय दंड विधान की धारा 188 के तहत अपराध पंजीकृत किया जाकर गिरफ्तार किया गया है।

सायबर फ्राड में नगर पालिका कर्मचारी ने दिया सूझ-बूझ का परिचय

फ्राड के नए टेक्नोलॉजी से दिमागी संतुलन से बचने नगर निरीक्षक की अपील

अनूपपुर।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन ने थाना क्षेत्र सहित समस्त जिले के लोगों से अपील किये हैं कि इन दिनों फ्राड बड़े ही चालाकी के साथ अपना हाथ साफ करते देखे जा रहे है। नित नए टेक्नोलॉजी तैयार कर घर परिवार के सदस्यों को मोहरा बनाते हुए लोगों के साथ दिनदहाड़े लूट किया जा रहा है। इनके द्वारा ऐसे लोगों को चिन्हित किया जा रहा जिनके घर परिवार के लोग बाहर परदेश में रहकर पढ़ाई या नोकरी कर रहे हैं। उन्ही परिवार के महिला व बुजुर्ग को पिता को पुत्र के लिये तो पुत्र को पिता व भाई पत्नी से संगीन अपराध घटित करने को बताकर अपने आप को सीबीआई अधिकारी व पुलिस अधीक्षक या अन्य अधिकारी बताकर बाकायदे मैनेजमेंट के नाम पर लाखों रुपये की लूट की जा रही है। वाइस कॉल

के माध्यम से इतना धौंस भर देते है कि लोग डर व भय की वजह से परिवार के मोह में फंसकर परेशान न होना पड़े इसलिए पैसे भेजकर अपने हाथ बिना समझे बूझे लूटते देखे जा रहे है। ताजा मामले में नपा अनूपपुर में पदस्थ कर्मचारी डीएन मिश्रा को फ्रॉड करने वालों द्वारा निशाना बनाया गया जिसमें उनके पुत्र अनिरुद्ध मिश्रा जो बेंगलुरु में सर्विस कर रहे हैं के ऊपर संगीन आरोप बताकर वसूली किये जाने का प्रयास किया गया लेकिन श्री मिश्रा ने बुद्धिमत्ता का परिचय देते हुए बड़े साहस के साथ काम किया और फ्राड होने से बाल बाल बच गए। हालांकि पूरे मामले की शिकायत उन्होंने कोतवाली थाना में जाकर तुरंत दी।

यह थी शिकायत

श्री मिश्रा ने शिकायत मे बताया कि 6 मई को अपने आपको सीबीआई अधिकारी बताने वाले सुनील कुमार नामक व्यक्ति ने मोबाइल नंबर 923194660973 से मुझे व्हाट्सएप कॉल किया गया एवं कहा गया कि आपका बालक हमारी कस्टडी में है उनके द्वारा संगीन जुर्म एवं अपराध किया गया है अगर आप अपने बालक को छुडवाना चाहते है तो हमे सेवा शुल्क 1 लाख रू. देना होगा। मांग की गई राशि न दिये जाने पर आपका बालक सलाखों के पीछे सड़ जायेगा एवं उनके द्वारा बैंक खाता क्र. 52682310004104 केनरा बैंक सौरभ राजेन्द्र बागड़े लिख कर भेजा गया। जबकि मेरा पुत्र बैंगलोर में सुरक्षित अपने कमरे में है। उपरोक्तानुसार प्रकरण पर प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही किये जाने का निवेदन किया गया।

नगर निरीक्षक ने की अपील

ऐसे मामलों मद्देनजर नगर निरीक्षक कोतवाली ने आमजन से अपील किया है कि लोग किसी भी तरह के अपरिचित काल आने पर रिसीव करने से बचने का प्रयास करें साथ ही पैसे लेकर संगीन अपराध को सेटलमेंट किये जाने की बात पर जल्द पैसे देने से बचने का प्रयास करें क्योंकि अपराध में सेटलमेंट कदापि सम्भव नही हो सकता, अपने घर परिवार को चिंता को लेकर घबराएं नही बल्कि समझाने का प्रयास करें साथ ही कोई भी साइबर संबंधी मामले में फंसने से पहले नजदीकी थाना में शिकायत करें पुलिस का सहयोग करें सुरक्षित रहें।

तीन माह से फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नाबालिग लड़की को बहलाकर भगा ले जाने व बलात्कार का आरोप

अनूपपुर।

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिह पवार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर इसरार मन्सूरी एवं एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली अनूपपुर द्वारा बलात्कार के तीन माह फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 17/02/24 को थाना कोतवाली में ग्राम कांसा से नाबालिक बालिका के गुमने की रिपोर्ट परिजन द्वारा कराया गया फरियादिया की रिपोर्ट पर से थाना कोतवाली में अप.क्र. 86/24 धारा 363 ताहि का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना की गई दौरान विवेचना पर अपहर्ता 29/02/24 को दस्तयाब हुई दस्तयाबी पश्चात अपहर्ता ने बताई कि सुनील चौधरी पिता भैयालाल चौधरी निवासी कांसा का बहला फुसलाकर रायपुर ले जाना व बलात्कार करना बताई एवं आरोपी के पिता द्वारा भी अपराध में सहयोग करना बताई। प्रकरण में आरोपी सुनील चौधरी पिता भैयालाल चौधरी ग्राम कांसा घटना दिनांक से फरार चल रहा है तथा अपराध में सहयोग करने पर 03/03/24 को आरोपी के पिता भैयालाल को गिरफ्तार किया जाकर जेल भिजवाया गया। प्रकरण में मुख्य आरोपी फरार होने पर प्रकरण में धारा 173(8) जाफौ. के तहत चालान तैयार किया जाकर मान्नीय न्यायालय अनूपपुर के समक्ष पेश कराया गया है। दिनांक 06.05.2024 को अप.क्र. 86/24 धारा 363, 366, 376(2) (एन), 368 ताहि के फरार आरोपी सुनील चौधरी पिता भैयालाल चौधरी निवासी कांसा की जरिये मुखबिर सूचना मिली कि आरोपी सुनील चौधरी पिता भैयालाल चौधरी ग्राम कांसा में दिखा है। थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में उप निरी दयावती मरावी, प्रधान आरक्षक रितेश सिंह के द्वारा आरोपी सुनील चौधरी पिता भैयालाल चौधरी उम्र 22 वर्ष निवासी कांसा को ग्राम कोंड़ा में भारत यादव के घर के पास आम रोड में घेराबंदी कर पकड़ा गया। प्रकरण में आरोपी का मेडिकल परीक्षण कर माननीय न्यायालय अनूपपुर के समक्ष पेश किया जायेगा। प्रकरण में आरोपी घटना दिनांक से फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी में थाना प्रभारी अरविंद जैन, उपनिरीक्षक दयावती मरावी, प्रधान आरक्षक रितेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक पखवाड़े से बंद स्ट्रीट लाइट, राहगीर हो रहे परेशान

कोतमा।

नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 07 बुढानपुर रोड में मुख्य मार्ग में लगभग 8 से 10 बिजली के पोल में लगी स्ट्रीट लाइट लगभग 15 दिनों से बंद पड़ी हुई है एवं वार्ड क्रमांक एक अटल चौपाटी के आगे अंडर 20 तिराहे में लगी हाइलोजन लाइटे भी बंद है। जिसके कारण आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंडर ब्रिज तिराहा यह मुख्य मार्ग में रेस्ट हाऊस रोड विकाश नगर भालूमाडा जमुना कॉलोनी गोविंदा गांव एवं कॉलेज की ओर जाने वाला मुख्य मार्ग है और इसी मार्ग में 24 घंटे लोगों का आना-जाना बना रहता है। इस तिराहे में छोटे-मोटे दुकानदारों के द्वारा दुकान भी लगाई जाती है। स्ट्रीट लाइट बंद होने के कारण आसपास के रहवासियों एवं आवागमन करने वाले लोगों को मुख्य सड़क पर घुप्प अंधेरा होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह ज्योति पेट्रोल पंप के आगे से बुढानपुर गांव जाने वाले मार्ग में कृषि उपज मंडी के पास से राष्ट्रीय राजमार्ग तिराहा तक लगभग 15 दिनों से बिजली के पोलो में लगे लगभग 8 से 10 स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है जबकि यह मुख्य मार्ग है और 24 घंटे लोगों का आना-जाना बना रहता है इसके साथ ही शाम होते ही महिलाएं एवं पुरुष इश्क मार्ग में घूमने के लिए जाते हैं। मुख्य सड़क पर निवास करने वाले नागरिकों का कहना है कि अंधेरा होने के कारण चोरों एवं कई प्रकार से जंगली जानवरों के आने का खतरा भी बना रहता है जिसके कारण हम परेशान रहते हैं। मुख्य मार्ग में लगे बिजली के खभों की स्ट्रीट लाइट आज 15 दिनों से बंद पड़ी हुई है हम लोगों के द्वारा कई बार नगर पालिका में जानकारी भी दी गई। नगर पालिका के कर्मचारियों की उदासीनता के कारण वर्तमान में नगर पालिका में यह हाल है कि अंधेर नगरी चौपट राजा की कहावत चरितार्थ हो रही है।

अनूपपुर सहित चार स्टेशनों मे मिली क्यूआर कोड की सुविधा

अनूपपुर। डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करने, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने तथा यात्रियों को टिकट के लिए लाइन लगने की परेशानी से निजात दिलाने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशनों में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है। इसी कड़ी में टिकट काउंटरों से अनारक्षित टिकट खरीदने वाले यात्रियों को चिल्हर की समस्या से निजात दिलाने तथा डिजिटल भुगतान

की सुविधा को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिलासपुर स्टेशन के टिकट काउंटर नं 07 पर टिकटों के भुगतान हेतु क्यूआर कोड की सुविधा प्रायोगिक रूप से उपलब्ध कराई गई थी। इस सुविधा का यात्रियों से बेहतर रिस्पांस मिलते ही इसका विस्तार बिलासपुर के सभी अनारक्षित टिकट काउंटरों में क्यूआर कोड की सुविधा डीडीआईएस में किया गया है साथ ही शहडोल, अम्बिकापुर व अनूपपुर स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर भी डीडीआईएस में क्यूआर कोड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि क्यूआर कोड, यूपीआई, एटीवीएम व यूटीएस ऑन मोबाइल एप से यात्रियों को बिना लाइन लगे त्वरित टिकट मिलने के साथ ही आसान डिजिटल भुगतान की सुविधा तो मिल ही रही है साथ ही चेंज खुल्ले पैसे आदि की दिक्कतों से भी राहत मिल रही है।

खदानों में नहीं मिल रहा पीने का पानी

एसईसीएल मैनेजमेंट की बैठक में यूनियनों ने किया विरोध

बदरा/जमुना।

कोल इंडिया की सहायक एसईसीएल जिसे मिनी रत्न व महारत्न का दर्जा प्राप्त है जहां एक और कोयला उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करने के लिये एसईसीएल मजदूर खदानों में बिना शुद्ध पानी पिए अपना खून पसीना बहा रहे है और एसईसीएल का नाम कोल इंडिया में रोशन कर रहे है। कोयला ऊर्जा का प्रमुख सोत्र है और कोयला देश के विकास में मेरुदंड की भूमिका निभाता है लेकिन उस कोयले को प्रकृति के विरोध में जाकर धरती का सीना चीर कर कोयला निकाल कर लाने वाले श्रमवीर 8 घंटे कैसे पीने के लिए पानी के मोहताज होकर लगातार कार्य करते हैं।

खदानों में नहीं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था

जिले के जमुना कोतमा क्षेत्र में एसईसीएल कंपनी संचालित है जिसमें यहां सात इकाई संचालित है जिसमें अंडरग्राउंड तथा ओपन

कास्ट सम्मिलित है खदानों में लगभग 24 सौ एसईसीएल मजदूर तथा 1 हजार ठेकेदार मजदूर कार्यरत है। जिनके ऊपर प्रतिदिन लगभग 7 से 8 हजार टन कोयला उत्पादन की भूमिका रहती है इसके विपरीत एसईसीएल खदानों में मजदूरों कर्मचारियों को इन दोनों भारी गर्मियों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है ज्यादातर मजदूर अपने घर से पीने का पानी लेकर आते हैं और दिन भर कोयले के उत्पादन में भूमिका निभाते हैं।

बिन पानी सब सून कैसे हो उत्पादन

जल अमृत है, जल पवित्र है। समस्त जीवों का, वनस्पतियों का जीवन व विकास -सब कुछ जल पर ही टिका है। पानी पर बात करते हुए ऐसे वाक्य केवल भावुकता के कारण नहीं लिखे जाते बल्कि यह जीवन का मूलभूत सत्य है कि बिन पानी सब सून परंतु जमुना कोतमा क्षेत्र के जीएम ऑफिस केबिनेट बैठे अधिकारियो को बाकायदा आरो ,बिसलेरी पानी की शुद्ध व्यवस्था है उसके विपरीत क्षेत्र में संचालित खदानों में मजदूरों को शुद्ध पानी पीने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जिस सवाल यह उठता है कि बिना शुद्ध पानी पिये कार्य कर रहे मजदूरों को क्षेत्र में कैसे कोयल का उत्पादन करेंगे हालांकि यह मामला गर्मी शुरू होने से पहले कई दिनों से क्षेत्रीय नेताओं के द्वारा प्रबंधन को अवगत कराया गया परंतु आज तक प्रबंधक गहरी निंद्रा में लीन है।

एसईसीएल मैनेजमेंट की बैठक में यूनियनो का विरोध

जमुना कोतमा क्षेत्र एसईसीएल जीएम ऑफिस मे खदानों में मजदूरों के पेयजल समस्या को लेकर एसईसीएल प्रबंधक हरजीत सिंह मदान की अध्यक्षता में जिसमें सभी एरिया के अधिकारी और मजदूर यूनियनो की बैठक जीएम ऑफिस में की गई जिसमें मजदूर नेताओं ने खदानों में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था तत्काल प्रभाव से उपलब्ध कराने की मांग की गई प्रबंधक के द्वारा पेयजल की व्यवस्था को लेकर टाल मटोल किया जा रहा था जिससे नाराज श्रमिक नेताओं ने जीएम ऑफिस के बाहर नारेबाजी के साथ वृहद आंदोलन की चेतावनी दी गई।